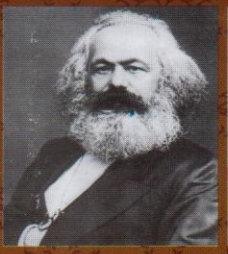

साहित्यशास्त्र

एम.ए. हिन्दी / आई.ए.एस. / पी.सी.एस. एवं अन्य प्रतियोगिता परीक्षा हेतु

- साहित्य एवं साहित्य की प्रमुख विधाएँ
- भारतीय काव्यशास्त्र
- पाश्चात्य काव्यशास्त्र
- विविध वाद
- आलोचना

डॉ. विवेक शंकर

वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(माध्यमिक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा विभाग)
भारत सरकार

॥ राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी ॥

विषय–सूची

प्रथम खण्ड : साहित्य का स्वरूप एवं साहित्य की प्रमुख विधाएँ

अध्याय 1.	साहित्य एवं साहित्य का उद्देश्य	1–14
अध्याय 2.	प्रबन्ध काव्य	15–17
अध्याय 3.	महाकाव्य	18–25
अध्याय 4.	खंडकाव्य	26–32
अध्याय 5.	मुक्तक काव्य	33–39
अध्याय 6.	गीतिकाव्य	40–48
अध्याय 7.	उपन्यास	49–71
अध्याय 8.	कहानी	72–86
अध्याय 9.	नाटक	87–96
अध्याय 10.	एकांकी	97–101
अध्याय 11.	निबंध	102–114
अध्याय 12.	आत्मकथा	115–124
अध्याय 13.	जीवनी	125–129
अध्याय 14.	रेखाचित्र	130–137
अध्याय 15.	संस्मरण	138–142
अध्याय 16.	रिपोर्ताज	143–148

द्वितीय खण्ड : भारतीय काव्यशास्त्र

अध्याय 1.	काव्यशास्त्र का इतिहास	151–156
अध्याय 2.	शब्दशक्ति	157–162
अध्याय 3.	काव्य–लक्षण	163–168
अध्याय 4.	काव्य–हेतु	169–174
अध्याय 5.	काव्य–प्रयोजन	175–180
अध्याय 6.	काव्य–गुण	181–184
अध्याय 7.	काव्य–दोष	185–192
अध्याय 8.	काव्य–रीति	193–198
अध्याय 9.	रस	199–218
अध्याय 10.	रसनिष्पत्ति : रससूत्र के व्याख्याकार	219–226
अध्याय 11.	साधारणीकरण	227–230

अध्याय 12.	सहृदय की अवधारणा	231–233
अध्याय 13.	काव्य की आत्मा एवं विविध काव्य–संप्रदाय	234–260

तृतीय खण्ड : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

अध्याय 1.	प्लेटो का अनुकृति–सिद्धान्त	263–268
अध्याय 2.	अरस्तू के सिद्धांत	269–281
अध्याय 3.	लोंजाइनस का उदात्त–सिद्धांत	282–288
अध्याय 4.	इलियट के सिद्धांत	289–298
अध्याय 5.	क्रोचे का अभिव्यंजना–सिद्धांत	299–306
अध्याय 6.	रिचर्ड्स के सिद्धांत	307–325
अध्याय 7.	कॉलरिज का कल्पना और फैंटेसी–सिद्धांत	326–331
अध्याय 8.	वर्ड्सवर्थ का काव्यभाषा–सिद्धांत	332–338

चतुर्थ खण्ड : विविध वाद एवं प्रवृत्तियाँ

अध्याय 1.	मार्क्सवाद	341–347
अध्याय 2.	मनोविश्लेषणवाद	348–355
अध्याय 3.	अस्तित्ववाद	356–363
अध्याय 4.	स्वच्छंदतावाद	364–369
अध्याय 5.	अभिजात्यवाद	370–373
अध्याय 6.	यथार्थवाद	374–378
अध्याय 7.	आधुनिकतावाद	379–382
अध्याय 8.	उत्तर आधुनिकतावाद	383–386
अध्याय 9.	संरचनावाद	387–389
अध्याय 10.	उत्तर संरचनावाद	390–393
अध्याय 11.	विखंडनवाद	394–396

पंचम खण्ड : हिन्दी आलोचना एवं प्रमुख आलोचक

अध्याय 1.	हिंदी आलोचना : उद्भव–विकास	399–423
अध्याय 2.	विविध आलोचना–प्रणालियाँ	424–457
अध्याय 3.	हिंदी के प्रमुख आलोचक और उनका अवदान	458–485
अध्याय 4.	हिंदी आलोचना की कतिपय अवधारणाएँ	486–502
	• **परिशिष्ट**	503–562
	• **संदर्भ–ग्रन्थ–सूची**	563–566

❑❑❑